घुमक्कड़ चींटा

सी.जे डेनिस

चित्राँकनः गौरी गुप्ता

कथा की ३००एम थिंकबुक

कर नाश्ता पूरा, माँ का लेकर आशीर्वाद
चल दिया दुनिया देखने, चखने उसके स्वाद।

एक छोटे चींटे ने सोचा, कहीं घूम आऊँ --
दूर घूम आऊँ, घर से दूर जाऊँ।

गया ऊपर नीचे झाड़ी के, पत्थर के चारों ओर,
आयी फिर एक गली, जहाँ हुआ वह बोर।

आया सात इंच का पर्वत बड़ा, उस पर वह चढ़ा,
डरावना जंगल घास का ढकता था आसमान बड़ा,

पत्तियों के पुल से हो कर काई के मैदान से,
पहुँचा वह कई फ़ीट लम्बे, भयंकर रेगिस्तान में।

बंजर, पथरीला रेगिस्तान, उस पर था चलना मुश्किल,
घर के बिस्तर की याद आयी, नहीं लगा कहीं पर दिल।

उसके नन्हे पैर काँपते, बदन में नहीं बचा था दम,
तो घूमा वह उल्टा फिर, चल दिया बढ़ा कर कदम -

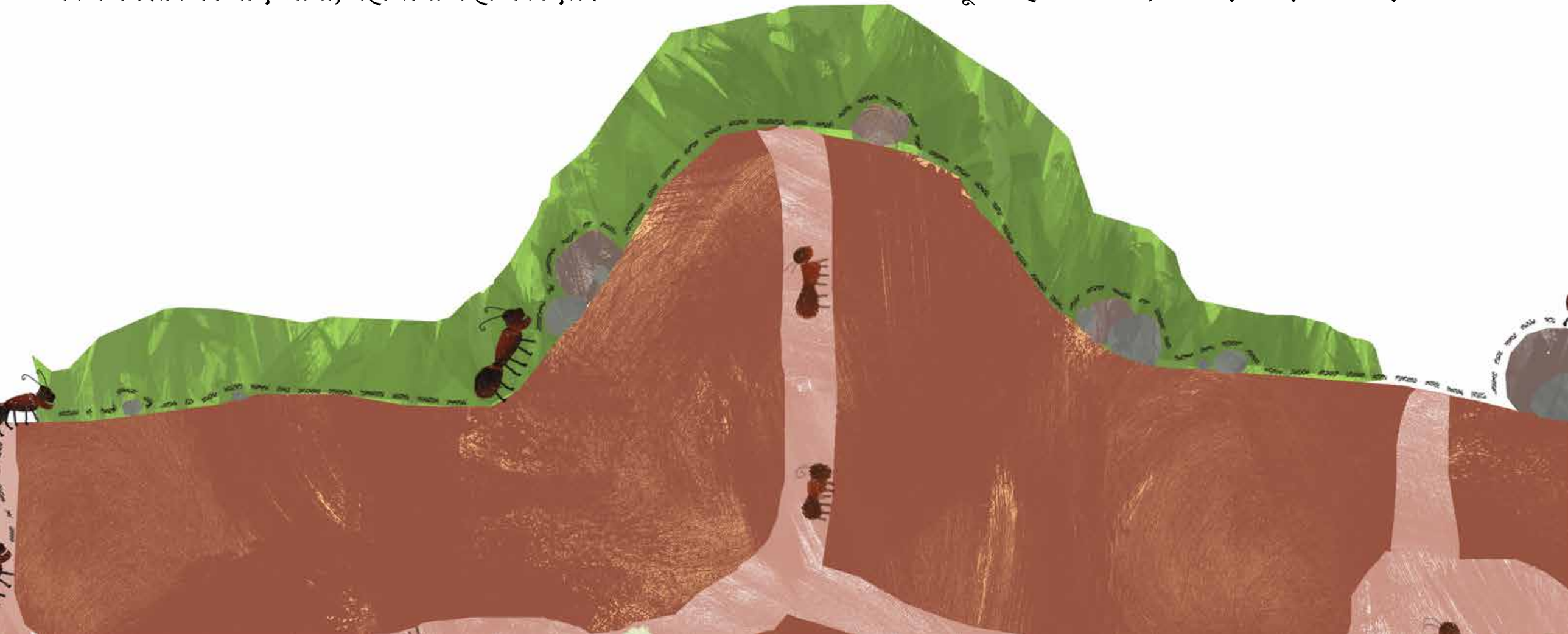

कई फ़ीट दूर आ गया, लम्बे रेगिस्तान से,
फिर होकर पत्तियों के पुल से, काई के मैदान से,

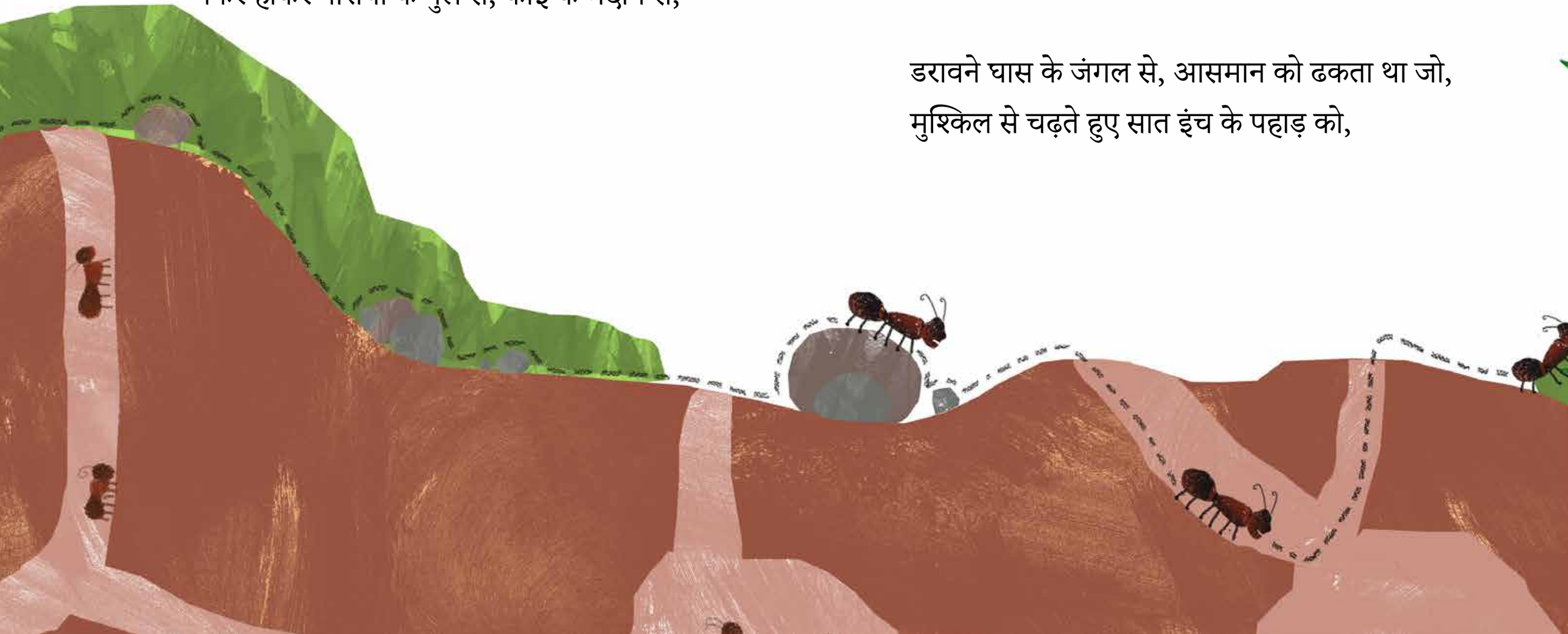

डरावने घास के जंगल से, आसमान को ढकता था जो,
मुश्किल से चढ़ते हुए सात इंच के पहाड़ को,

अँधेरी, उस गली से होकर, होते हुए बोर,
ऊपर-नीचे से झाड़ी के, होकर पत्थर के चारों ओर।

थक गया था घूम कर चींटा वह प्यारा,
बाग़ से होकर पहुँचा घर को माँ की आँख का तारा।

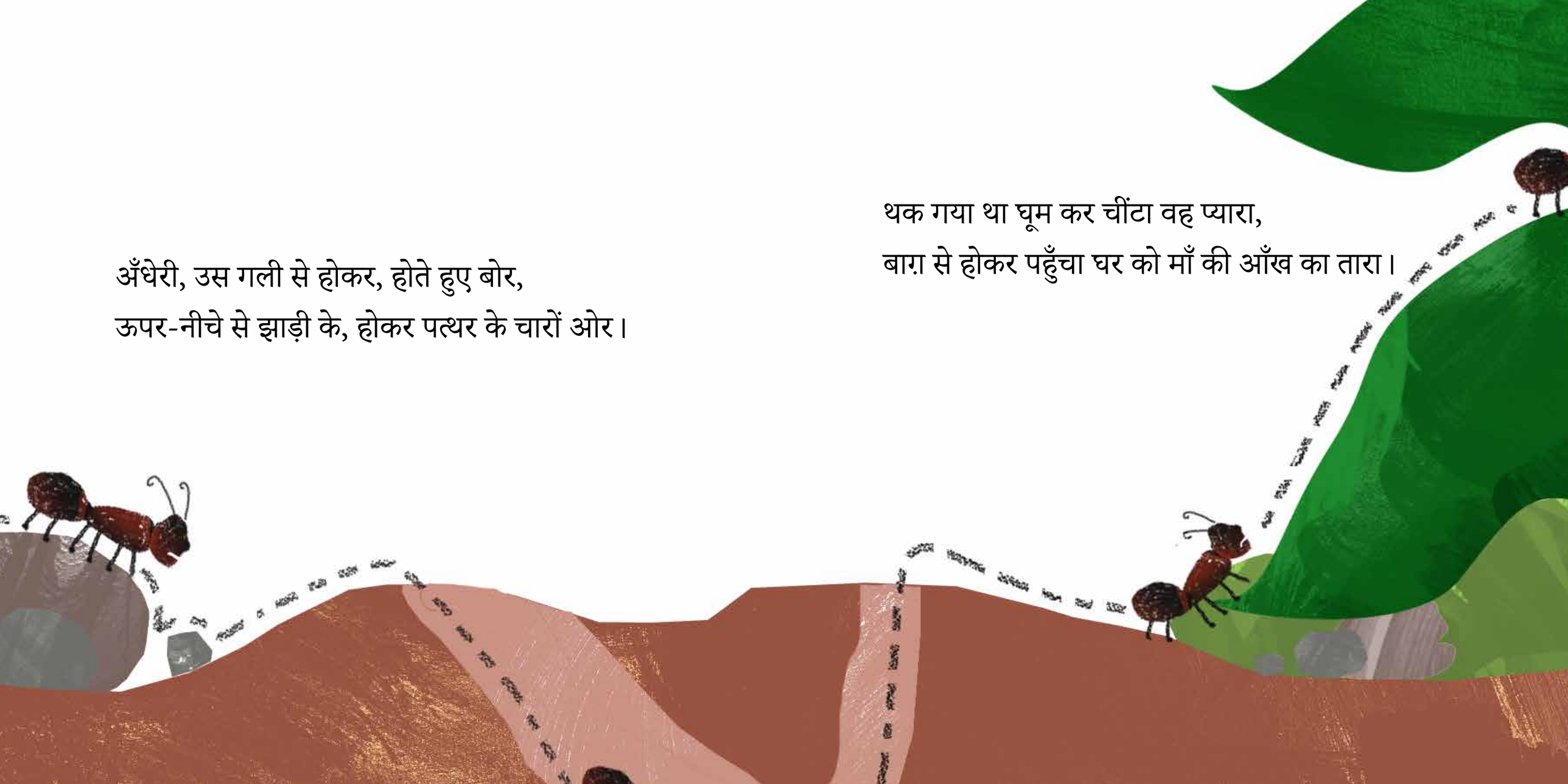

सी. जे. डेनिसः एक ऑस्ट्रेलियाई कवि हैं। वे अपनी हास्य कविताओं के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अक्सर, ऑस्ट्रेलिया के तीन सबसे प्रसिद्ध कवियों में गिना जाता है।

पहला हिंदी संस्करण

कृति स्वामित्व © कथा, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © सी. जे. डेनिस
चित्राँकन कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

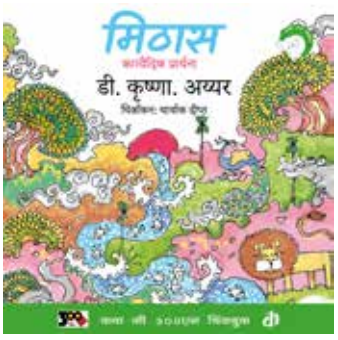

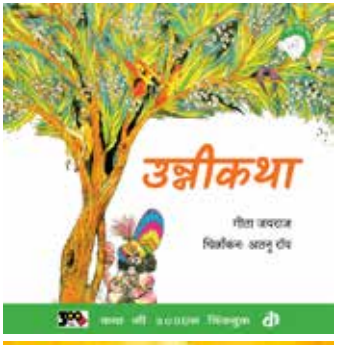

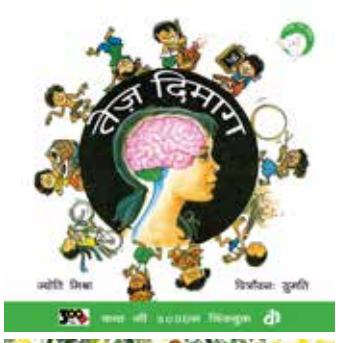

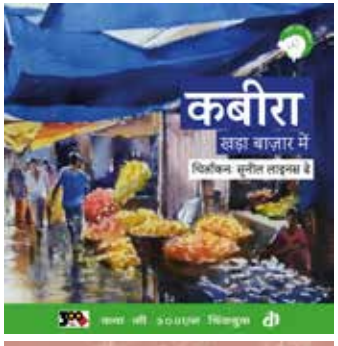

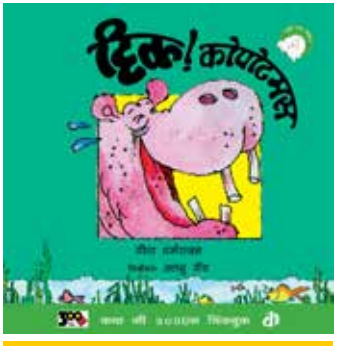

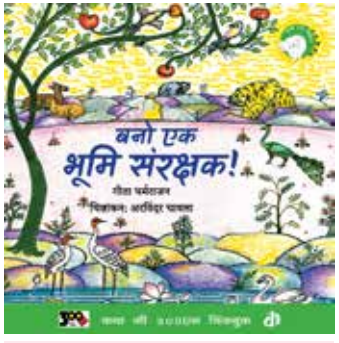

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children

a katha book

ISBN 978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx

इसकी ग्रीन श्रृंखला में